एम.एच.डी.-3

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2008

एम.एच.डी.-3 : उपन्यास एवं कहानियाँ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्न करने अनिवार्य हैं । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. 'गोदान' उपन्यास के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए । *20*

अथवा

'धरती धन न अपना' में चित्रित आंचलिक जीवन के वैशिष्ट्य का उद्‌घाटन कीजिए ।

2. कथा भाषा की दृष्टि से 'मैला आंचल' की भाषिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । *20*

अथवा

"'सूखा बरगद' स्वातन्त्र्योत्तर भारत के मुस्लिम समाज की मानसिकता का प्रकाशन है ।" इस कथन पर विचार कीजिए ।

3. " 'ठाकुर का कुआँ' में प्रेमचन्द ने स्त्री के वर्गगत और जातिगत शोषण को उद्घाटित किया है ।" — विश्लेषण कीजिए । *20*

अथवा

हिन्दी कहानी के विकास में जैनेन्द्र के योगदान का मूल्यांकन कीजिए ।

4. 'रोज़' कहानी का मुख्य उद्देश्य क्या है ? अपने उद्देश्य को व्यक्त करने में लेखक को कहाँ तक सफलता मिली है ? — स्पष्ट कीजिए । *20*

अथवा

नई कहानी आंदोलन में मन्नू भंडारी के योगदान और उसके वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए ।

5. " 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में द्विवेदी जी का इतिहास बोध मिथकीय कोटि का है ।" — इस कथन की परीक्षा कीजिए । *20*

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *10×2=20*

(क) 'पुरस्कार' कहानी का शिल्प

(ख) साठोत्तरी कहानी का भावबोध और ज्ञानरंजन

(ग) 'एक दिन का मेहमान' में स्त्री-पुरुष-सम्बन्ध

(घ) 'यह अंत नहीं' में दलित स्त्री का अस्मिता-संघर्ष